

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अपर निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड, गोपेश्वर, चमोली।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 19 जून, 2009

विषय :- वित्तीय वर्ष 2009-10 के राज्य सैक्टर चालू योजनान्तर्गत लेखानुदान में प्राविधानित धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-10/नि0/आय व्ययक/2009-10 दिनांक 01 अप्रैल, 2009 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में पशुधन प्रसार अधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र पशुलोक में व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु डेरी यूनिट की स्थापना योजनान्तर्गत रुपये 100 हजार (रुपया एक लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन पर निम्न विवरणानुसार प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि हजार रुपये में)

लेखाशीर्षक/योजना का नाम	मद संख्या	स्वीकृति
मुख्य लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत-00-102- पशु और मत्स्य विकास		
08-पशुधन प्रसार अधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र पशुलोक में व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु डेरी यूनिट की स्थापना	42-अन्य व्यय	100
योग		100

(रुपया एक लाख मात्र)

उक्त धनराशि का व्यय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा :-

- (1) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। स्वीकृत धनराशि की फॉट कर तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों को उपलब्ध कराते हुए उसकी प्रति शासन को उपलब्ध कराई जाय।
- (2) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। स्वीकृत धनराशि की फॉट कर तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों को उपलब्ध कराते हुए उसकी प्रति शासन को उपलब्ध कराई जाय।

- (3) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (4) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय तथा धनराशि व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों व प्रचलित शासनादेशों को ध्यान में रखा जाय।

2- उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत-00-102-पशु और भैंस विकास-06-पशुधन प्रसार अधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र पशुलोक में व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु डेरी यूनिट की स्थापना -42-अन्य व्यय के नामे डाले जाय।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-102(P)/XXVII-4/2009 दिनांक 05 जून, 2009 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमरेंद्र सिन्हा)
सचिव

संख्या-934 (1)/XV-1/2009-तददिनांक

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव एवं आयुक्त महोदय को अपर मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायू मण्डल, नैनीताल।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4।
9. निदेशक, NIC को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने हेतु।
10. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से
(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव